रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर

युवा देश की शक्ति – कुलपति प्रो. मिश्र
रादुविवि में यूनिटी फ़ॉर रन का हुआ आयोजन

जबलपुर 1 अक्टूबर। आज़ादी के 75वें अमृत महाउत्सव के तहत गांधी जयंती के अवसर पर रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा यूनिटी फ़ॉर रन का आयोजन किया गया। इस मौके पर विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने कहा कि युवा देश के भविष्य और देश की शक्ति है तथा हमारे देश के युवाओं को शारीरिक रूप से स्वस्थ रहना चाहिए ताकि वह मानसिक रूप से भी चारों दिशाओं में दक्षता को प्राप्त करें।

कार्यक्रम के प्रारंभ में सभी शारीरिक शिक्षा विभाग के छात्र–छात्राएं प्रशासनिक भवन के सम्मुख एकत्रित हुए जहां पर कुलपति प्रोफ़ेसर कपिल देव मिश्र द्वारा उन्हें प्रोत्साहित करते हुए उद्‌बोधन दिया तथा उसके पश्चात पहले छात्राओं के समूह, उसके बाद छात्रों के समूह को हरी झंडी दिखाकर यूनिटी फ़ॉर रन को प्रारंभ किया गया।

प्रतिभागी छात्र–छात्राओं ने विश्वविद्यालय प्रशासनिक भवन से प्रारंभ करते हुए विश्वविद्यालय परिसर, सरस्वती विहार होते हुए विश्वविद्यालय शारीरिक शिक्षा विभाग में यूनिटी फ़ॉर रन को समाप्त किया। जिनमें छात्राओं में प्रथम स्थान आरती सरतकर, द्वितीय स्थान सृष्टि बनर्जी और तृतीय स्थान रोशनी पुषाम को प्राप्त हुआ और छात्र प्रतिभागियों में प्रथम स्थान भारत, द्वितीय स्थान सूरज एवं तृतीय स्थान लोनेश को प्राप्त हुआ।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलसचिव डॉ दीपेश मिश्रा, विश्वविद्यालय शारीरिक शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ आर के यादव, डॉ विशाल बन्ने सहित अतिथि विद्वान व छात्र–छात्राएं उपस्थित थे।

.....

''आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में मातृशक्ति की भूमिका–राष्ट्रीय वेबिनार''

विश्वविद्यालय व्यवसायिक अध्ययन एवं कौशल विकास संस्थान रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, महाकौशल प्रांत के संयुक्त तत्वावधान में मान. प्रो. कपिल देव मिश्र की अध्यक्षता, प्रो. लीला भलावी, अतिरिक्त संचालक, उच्च शिक्षा विभाग, जबलपुर संभाग के मुख्य आतिथ्य, डॉ.प्रज्ञा मिश्रा, विभागाध्यक्ष, संस्कृत विभाग, महात्मा गांधी ग्रामोदय वि.वि. चित्रकूट के सारस्वत आतिथ्य, डॉ. अपूर्वा कर्मवीर शर्मा, प्रो. सुनीता शर्मा, शा.विज्ञान महाविद्यालय, एड. निर्मला नायक, अधिवक्ता, म.प्र. उच्च न्यायालय के विशिष्ट आतिथ्य में ''आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में मातृशक्ति की भूमिका–राष्ट्रीय वेबिनार'' 01 अक्टूबर 2021 वर्चुअल माध्यम से आयोजित कार्यक्रम की रुपरेखाः समय अपरान्ह 1.00 बजे से आयोजित किया गया।

अध्यक्षीय उद्‌बोधन में मान. कुलपति प्रो. मिश्र ने कहा कि प्रत्येक उपलब्धि के शीर्ष में और कारण में नारी का ही योगदान होता है। सद्‌गुण स्वरुपा सभी शक्तियों का मूल एक स्त्री में ही समाहित है। मातृशक्ति की भूमिका आत्मनिर्भर भारत में अति महत्वपूर्ण है।

मुख्य अतिथि प्रो. लीला भलावी ने कौशल विकास संस्थान द्वारा किये जा रहे इस कार्यक्रम के लिए बधाई देते हुए कहा कि व्याख्यान का विषय अत्यंत महत्वपूर्ण है। महिलाओं की भूमिका सदैव दोहरी होती है, जिसमें मतृशक्ति घर एवं बाहर दोनों क्षेत्रों में समान रुप से होती है। आपने स्वाबलंबन हेतु शासकीय नीतियों को सविस्तार बताया।

सारस्वत् अतिथि डॉ.प्रज्ञा मिश्रा ने ''नारी तू नारायणी'' के शब्दों से कहा कि आदि काल से ही स्त्री ही आत्मनिर्भर भारत की निर्मात्री है।

प्रो. सुरेंद्र सिंह, निदेशक, विश्वविद्यालय व्यावसायिक अध्ययन एवं कौशल विकास संस्थान, रा.दु.वि.वि. ने स्वागत उद्‌बोधन एवं विषय प्रवर्तन किया। प्रो. राजेन्द्र कुरारिया जी शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के संबंध में परिचयात्मक उद्‌बोधन दिया। राष्ट्रीय वेबिनार में प्रो. संजय तिवारी, डॉ मुक्ता भटीली, सुनील चौधरी उपस्थित रहे।

एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार में आभार प्रदर्षन डॉ अजय मिश्रा एवं संचालन डॉ मीनल दुबे कौशल विकास संस्थान, ने किया।

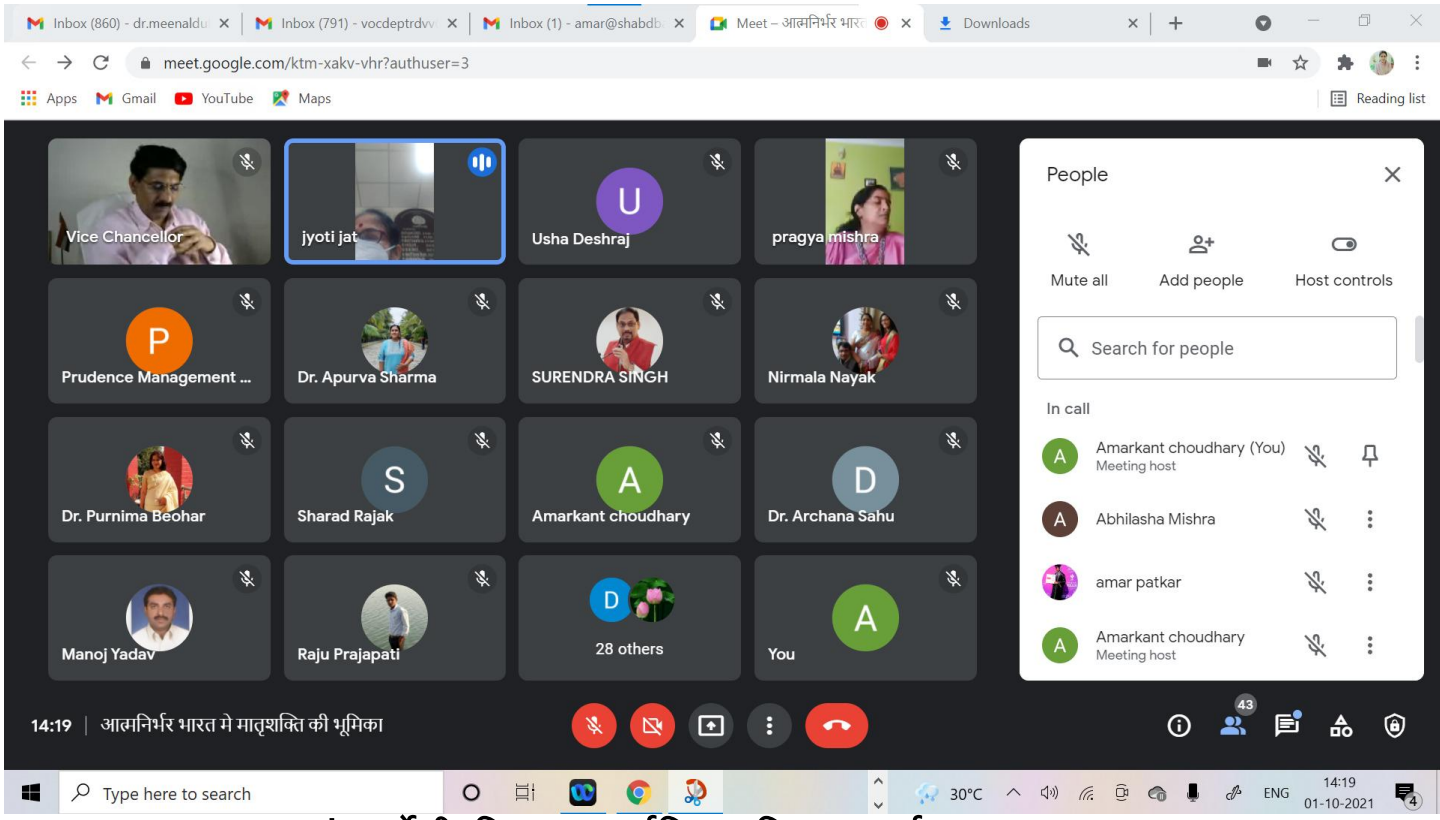

रसायनशास्त्र एवं फार्मेसी विभाग फार्मासिस्ट दिवस कार्यक्रम का समापन

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के रसायनशास्त्र एवं फार्मेसी विभाग मे वर्ल्ड फार्मासिस्ट–डे के उपलक्ष्य मे एक सप्ताह (25.09.2021–01.10.2021) का कार्यक्रम आयोजित किया गया। उक्त कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय कुलपति, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, प्रो. कपिल देव मिश्र जी एवं आयोजन विभागाध्यक्ष, प्रो.पी.के.खरे द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम की रूपरेखा के प्रथम दिवस विभाग मे स्वच्छता अभियान चलाया गया जिसके अंतर्गत विभाग के प्रांगण मे साफ–सफाई एवं सैनेटाइजेशन किया गया इसके उपरांत द्वितीय दिवस मे माननीय कुलपति जी, विभागाध्यक्ष, शिक्षकों एवं विभाग के छात्र–छात्राओं द्वारा औषधीय पौधे रोपे गये। माननीय कुलपति जी द्वारा विभाग मे अध्ययनरत छात्र श्री शिवांश टैगोर के आकस्मिक निधन पर शोक व्यक्त करते हुए पौधारोपण किया गया। अगले दिन फार्मासिस्ट दिवस के उपर छात्र–छात्राओं द्वारा रंगोली एवं पेंटिन्ग किया गया इसके उपरांत समापन दिवस पर ***"Trust Is Essential To Health Care"*** विषय पर नैशनल वेबिनार आयोजित की गयी जिसमे माननीय कुलपति द्वारा उद्बोदन मे कहा गया कि ''औषधि का निर्माण मनुष्य के स्वास्थ्य के लिए लाभदायक हो एवं इस प्रकार के स्वास्थ्य जागरुकता के कार्यक्रम आयोजित होते रहना चाहिए'' उक्त कार्यक्रम के विशेष अतिथि डॉ. सीमा कोहली, विभागाध्यक्ष, फार्मेसी, पॉलीटेक्निक कालेज, जबलपुर एवं प्रवक्ता के रूप मे प्रो. कमलेश

दशोरा, विभागाध्यक्ष, फार्मेसी, विक्रम वि.वि., उज्जैन एवं प्रो. तनवीर नावेद, विभागाध्यक्ष, फार्मेसी, अमिटि वि.वि., नोएडा आदि की उपस्थिति रही। कार्यक्रम के सफलतापूर्वक समापन पर प्राचार्य, फार्मेसी डॉ.वाशिद खान द्वारा कार्यक्रम मे सहभागी सभी का आभार व्यक्त किया गया। उक्त कार्यक्रम को सफल बनाने मे विभाग के डॉ. वाशिद खान, डॉ. प्रदीप कुमार विश्वकर्मा, श्री रीतेश चौरसिया, श्री राहुल नायक, श्री अभिषेक पाण्डेय, श्री चन्दन सिंह अहिरवार, मो. इमरान मंसूरी, डॉ. आशीष गर्ग, श्री भावेश पटेल, डॉ.ज्योति चौबे, डॉ. रानू चतुर्वेदी, डॉ. दीपक कुमार रजक, डॉ. गरिमा पाण्डेय का सक्रिय योगदान रहा। इस कार्यक्रम मे विभाग के समस्त कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

संस्कृत विभाग में नव–प्रवेशित छात्रों का स्वागत किया।

आज दिनांक 1 अक्टूबर 2021 को संस्कृत पालि एवं प्राकृत विभाग में विभागाध्यक्ष प्रो. राधिका प्रसाद मिश्र जी की अध्यक्षता में स्नातकोत्तर एवं पीजी कर्मकाण्ड डिप्लोमा में नव प्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत व परिचय कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन से हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रो. मिश्र जी ने छात्रों को विषय की उपयोगिता व प्रासङ्गिकता का मार्गदर्शन सनातन उद्धरणों द्वारा प्रदान करते हुए कहा कि यह शाश्वत परम्परा है कि छात्रो ंका स्वागत किया जावे ंप्राचीनकाल मे गुरुकुल परम्परा से अध्ययन चलता था। तो जब नवीन छात्र आते थे तो उनका उपनयन संस्कार किया जाता था एवं प्राचीन छात्रों का समावर्तन संस्कार होता था। यही परंपरा आज नवीन रूप से हम लोग चला रहे हैं। इसी क्रम में विभाग की अतिथि–व्याख्याता डॉ. साधना जनसारी ने विषय के अध्ययन की पद्धति व महत्ता पर प्रकाश डाला। डॉ जया शुक्ला ने अध्ययन के संकल्प को उद्घाटित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ अखिलेश कुमार मिश्र एवं सम्पूर्ण कार्यक्रम में सूत्रधार की भूमिका का निर्वहन डॉ सरिता यादव जी ने किया। इस वर्ष संस्कृत विभाग में एम ए में 30 एवं कर्मकाण्ड डिप्लोमा में 19 कुल 49 छात्रों ने प्रवेश लिया है।